University in News on 21 April 2024

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : अब संविदा शिक्षक भी बूस्ट पुरस्कार के लिए आवेदन के पात्र

विश्वविद्यालय ने उद्दीपन अवार्ड की गाइड लाइन में किया बदलाव

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में कार्यरत सॉविदा शिक्षक भी इस बार अनुसंधान उत्कृष्टता में बूस्ट पुरस्कार-2022-23 में आवेदन के लिए पात्र होंगे। विश्वविद्यालय ने उद्दीपन अवार्ड की गाइड लाइन में संशोधन कर शनिवार को जारी कर दिया है। एक जुलाई 2022 से 30 जून 2023 तक अनुसंधान उत्कृष्टता के तहत एक्लेम, उद्दीपन और प्रोत्साहन अवार्ड के लिए सभी संकायों से 30 अप्रैल तक आवेदन मांगे गए हैं।

उद्दीपन योजना में बेस्ट रिसर्च पेपर का पुरस्कार दिया जाता है। इसमें रिसर्च स्कालर को प्रति पेपर 1100 रुपये और शिक्षक को 1100 रुपये देने का प्रविधान है। अभी तक इसमें नियमित संकाय ही आवेदन कर सकते थे। इस बार संविदा संकाय को शामिल करने के लिए नियमों में संशोधन किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि हाल के वर्षों में विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में संविदा पर शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। उन्हें भी मौका देने के लिए यह संशोधन किया गया। डीन एकेडमिक प्रो.गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि गैर-विज्ञान संकाय के लिए वेब आफ साइंस क्लेरिवेट एनालिटिक्स आधारित सोशल साइंस साइटेशन इंडेक्स, आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज साइटेशन इंडेक्स और यूजीसी केयर लिस्ट में सूचीबद्ध पत्रिकाओं को शामिल करने के लिए नियमों में भी संशोधन किया गया है।

एक्लेम योजना : एक्लेम पुरस्कार ऐसे नियमित संकाय को प्रदान किए जाते हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर प्रतिस्पर्धी और प्रशंसित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें प्रमाण पत्र और पांच हजार रुपये व मेडल दिया जाता है।

प्रोत्साहन योजना : इनमें चयनित रेगुलर शिक्षकों को एक वित्तीय वर्ष के लिए सीड मनी के रूप में शोध के लिए 20,000 रुपये से सम्मानित किया जाता है।

'सही शिक्षा से पा सकते हैं लक्ष्य'

डा. अशोक निगम की पुस्तक का विमोचन करते न्यायमूर्ति राजीव सिंह, न्यायमूर्ति शमीम अहमद, प्रति कुलपति प्रोफेसर अरविंद अवस्थी और डा. संजय गुप्ता ● सौ. लवि

जासं ● लखनऊ :लवि के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से पुस्तक विमोचन समारोह हुआ। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति राजीव सिंह एवं न्यायमूर्ति शमीम अहमद उपस्थित रहे। उन्होंने विभाग के पूर्व छात्र, लेखक एवं भारत के पूर्व अतिरिक्त सालिसिटर जनरल डा. अशोक निगम की पुस्तक 'तिब्बत का उत्थान और पतन : भारत के लिए चुनौतियां और अवसर' का विमोचन किया। राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता ने राजनीति विज्ञान और विवि के बीच के संबंधों को स्पष्ट करते हुए कहा कि दोनों विषय एक दूसरे के पूरक हैं। लेखक डा. अशोक निगम ने अपनी पुस्तक के मुख्य विषय से सभी को अवगत कराया। न्यायमूर्ति राजीव सिंह ने कहा कि गुरु के आशीर्वाद एवं सही शिक्षा से प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। न्यायमूर्ति शमीम अहमद ने कहा कि जीवन में हमेशा उत्साही, ऊर्जावान और आशावादी बने रहना चाहिए।

विवि ने पुरस्कारों के लिए आमंत्रित किए आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने 1 जुलाई 2022 से 30 जून 2023 तक वर्ष 2022-2023 के लिए अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार बूस्ट के लिए आवेदन आमंत्रित किए। ये पुरस्कार हर साल दिए जाते हैं। यह पुरस्कार विश्वविद्यालय की अकादमिक व शोध प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने की पहल का एक हिस्सा है। बूस्ट पुरस्कार में एक्लेम, प्रोत्साहन और उद्दीपन योजनाएं शामिल हैं।

एक्लेम पुरस्कार ऐसे नियमित शिक्षक को प्रदान किए जाते हैं, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर प्रतिस्पर्धी और प्रशंसित पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। विवि की ओर से प्रमाण पत्र और मौद्रिक पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। प्रोत्साहन योजना में संभावित दीर्घकालिक शोध क्षेत्रों और परियोजनाओं की पहचान को पायलट शोध अध्ययनों के लिए बीज धन का आवंटन शामिल है। उद्दीपन योजना अधिकतम लाभार्थियों वाली योजना है। इसमें शिक्षक और शोध छात्रों द्वारा प्रकाशित गुणवत्ता वाले शोध पत्रों के लिए पुरस्कार शामिल हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

विश्वविद्यालय में विचारोत्तेजक व्याख्यान का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के अटल सुशासन पीठ ने 'भारत में सार्वजनिक सेवाओं का सह-डिजाइनिंग : एक विश्लेषण' विषय पर एक विचारोत्तेजक व्याख्यान की मेजबानी की। मुख्य वक्ता के रूप में बीएचयू के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर अभिनव शर्मा शामिल हुए। डॉ. उत्कर्ष मिश्रा द्वारा अतिथि का स्वागत करने और उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी जी को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद व्याख्यान की शुरुआत की गई। जिसमें सह-डिजाइनिंग की अवधारणा के बारे में अमूल्य जानकारी दी गई जिसमें हितधारक नीतियों को डिजाइन करने में सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं। प्रोफेसर अभिनव शर्मा ने सह-निर्माण और सह-उत्पादन से इसके अंतर को स्पष्ट करते हुए सह-डिजाइनिंग के सार को स्पष्ट किया और सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में इसके महत्व पर जोर दिया।

विवि में डॉ. अशोक की पुस्तक का विमोचन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

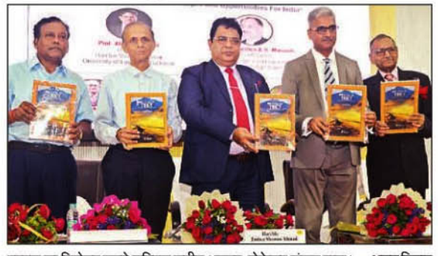

पुस्तक का विमोचन करते जस्टिस शमीम अहमद, प्रोफेसर संजय गुप्ता। अमृत विचार

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने शनिवार को पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन किया। पुस्तक का शीर्षक तिब्बत का उत्थान और पतन भारत के लिए चुनौतियां और अवसर था।

पुस्तक के लेखक विवि के पूर्व छात्र व भारत के पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल डॉ. अशोक निगम हैं। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। । राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता ने मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति राजीव सिंह एवं न्यायमूर्ति शमीम अहमद को पुष्पगुच्छ भेंट किया। प्रो. गुप्ता ने कहा कि राजनीति विज्ञान और विधि विषय एक दूसरे के पूरक हैं।

▸▸ पुस्तक का शीर्षक तिब्बत का उत्थान व पतन भारत के लिए चुनौतियां और अवसर था

न्यायमूर्ति राजीव सिंह ने कहा कि गुरु के आशीर्वाद एवं सही शिक्षा से प्रत्येक व्यक्ति जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। न्यायमूर्ति शमीम अहमद ने कहा कि जीवन में हमेशा उत्साही, ऊर्जावान और आशावादी बने रहना चाहिए। मुख्य अतिथि प्रो. रमेश दीक्षित ने तिब्बत के राजनीतिक और आर्थिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी देते हुए भारत-तिब्बत संबंधों पर चर्चा की।

HINDUSTAN PAGE 6

लखनऊ विश्वविद्यालय में पुस्तक का विमोचन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से तिब्बत का उत्थान और पतन: भारत के लिए चुनौतियां और अवसर पुस्तक का विमोचन हुआ। पुस्तक के लेखक राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व छात्र एवं भारत के पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल डॉ. अशोक निगम हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ।

HT PAGE 3

Book examining rise and fall of Tibet released

LUCKNOW : The department of political science at Lucknow University (LU) hosted the grand release of Dr Ashok Nigam's book titled "Rise and Fall of Tibet: Challenges and Opportunities for India" at a ceremony on Saturday. The event was graced by Justice Shamim Ahmed, Justice Rajeev Singh, Pro VC Prof Arvind Awasthi, and HoD Prof Sanjay Gupta. Dr Ashok Nigam, an alumnus of the political science department and former additional solicitor general of India, delves into the intricate relationship between India, Nepal, Tibet, and China in his exploration. His book examines India's endeavours to safeguard Tibet from China and the repercussions following Tibet's integration into the dragon nation. It also sheds light on the significance of Tibet and the tensions between India and China in the Himalayan region. The ceremony commenced with the university's anthem, followed by a warm welcome extended by Prof Sanjay Gupta to the esteemed guests, including the guest of honour, Prof Ramesh Dixit, who proposed hosting the book release within the department.

Anatomy dept's annual function held at KGMU

LUCKNOW: The Anatomical Society organised the 113th annual function of the department of anatomy at King George's Medical University (KGMU) and Das & Halim Oration on Saturday. Dr. Rima Dada, professor of anatomy at AIIMS, New Delhi, delivered the oration on 'Complex Lifestyle Diseases: Impact of Yoga in Disease Prevention, Health Promotion, and Management' during the event. Vice-chancellor professor Soniya Nityanand was the chief guest while Dr. MS Siddiqui, former professor, department of anatomy, KGMU was the guest of honour. HTC